भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

11.12.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2756 का उत्तर

प्रतीक्षा सूची वाले टिकटों को रद्द किए जाने से अर्जित राजस्व

2756. श्री अ. मनि:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान प्रतीक्षा सूची वाले टिकटों को रद्द किए जाने से रेलवे को कितना राजस्व प्राप्त हुआ;

(ख) क्या विगत तीन वर्षों के दौरान उक्त टिकटों से रेलवे द्वारा अर्जित राशि में अत्यधिक वृद्धि हुई है और यदि हां, तो इसके लिए कौन-से कारक उत्तरदायी हैं;

(ग) क्या सरकार ने विगत तीन वर्षों के दौरान प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों को उपलब्ध कराई गई आरक्षित बर्थ की प्रतिशतता का पता लगाने के लिए कोई सर्वेक्षण कराया है और यदि हां, तो तत्संबंधी परिणाम क्या रहे;

(घ) क्या यात्रियों को प्रतीक्षा सूची वाले टिकटों की न्यूनतम संख्या जारी करने संबंधी कोई योजना तैयार की जा रही है;

(ङ) यदि हां, तो उक्त योजना के किस प्रकार कार्य करने की संभावना है; और

(च) सरकार द्वारा प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों के लिए आरक्षित बर्थ की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अन्य क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) और (ख): टिकटों के रद्दकरण के कारण जमा राशि का ब्यौरा अलग से नहीं रखा जाता है।

(ग) से (च): भारतीय रेल में आरक्षित स्थान का मांग पैटर्न पूरे वर्ष में एक समान नहीं रहता और यह कम व्यस्त और व्यस्त अवधियों के दौरान बदलता रहता है। इसके अलावा, लोकप्रिय मार्गों तथा कम ठहरावों और सुविधाजनक समय और समय पर चलने वाली गाड़ियां सामान्यतः अधिक

लोकप्रिय होती हैं और इनमें लगभग पूरे वर्ष प्रतीक्षा सूची देखी जाती है। बहरहाल, यात्रियों द्वारा इनमें से एक अथवा सभी विशेषताओं वाली अन्य गाड़ियों में यात्रा करना दूसरे विकल्प के रूप में चुना जाता है।

प्रतीक्षा सूची टिकटों को पुष्टिकृत बर्थों के रद्द किए जाने पर हुई रिक्त सीटों को आबंटित करने हेतु जारी किया जाता है और इससे रेलवे को मांग पैटर्न का मूल्यांकन करने में सहायता मिलती है। प्रत्येक श्रेणी के लिए अधिकतम प्रतीक्षा सूची पहले ही निर्धारित है। प्रतीक्षा सूची टिकटों की स्थिति प्रथम चार्ट की तैयारी के समय रद्द करने/उपयोग न किए गए कोटा के कारण उपलब्ध खाली स्थान के लिए स्वचालित रूप से अपडेट हो जाती है।

भारतीय रेल पर चल रही सभी गाड़ियों की प्रतीक्षा सूची की स्थिति की नियमित आधार पर निगरानी रखी जाती है। भारतीय रेल द्वारा अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए, त्योहारों, छुट्टियों आदि के दौरान स्पेशल गाड़ी सेवाएं भी संचालित की जाती हैं तथा यात्रियों के विभिन्न वर्गों के लिए अतिरिक्त स्थान मुहैया कराने के लिए स्थायी और अस्थायी दोनों आधार पर डिब्बों की संख्या बढ़ाई भी जाती है, जो परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता के अध्यधीन सतत् प्रक्रिया है।

इसके अलावा, प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों को पुष्टिकृत स्थान मुहैया कराने और उपलब्ध स्थान का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए भी 'विकल्प' नामक ऑल्टरनेट ट्रेन अकोमोडेशन स्कीम (एटीएएस) और अपग्रेडेशन योजना जैसी योजनाएं शुरू की गई है।

*****